

13/4/20

पसावली जे ही कविवरला
उत्प पथ धरि नदी वाट-2
कावाले लगेत गडे कुशलतन
वसालतन धरि नदी घेव
पर पसावली कुशापेरी /
कुशा धरि ते खारि की
जाली ही पसावली कोसल घेत
दिसल कुशा घे